एग्री आर्टिकल्स

(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)

वर्ष: 02, अंक: 01 (जनवरी-फरवरी, 2022)

www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध

© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

छोटे से गाँव से निकल कर रूस में सफल वैज्ञानिक बने

डॉ० विष्णु राजपूत

कृषि छात्रों सहित समस्त युवा पीढ़ी के लिए बनते जा रहे हैं प्रेरणास्त्रोत

प्रेरक-संपादकीय

अपने उच्च शोधो के कारण हरदोई, उत्तर प्रदेश के युवा कृषि वैज्ञानिक दक्षिणी रूस के सबसे बड़े केंद्रीय विश्वविद्यालय में कई सम्मान प्राप्त कर चुके है। डॉ० विष्णु राजपूत ने रूस के दक्षिणी संघीय विश्वविद्यालय में 2015 में शोध कार्य शुरू किया। पिछले कई वर्षो से विश्वविद्यालय में सर्वाधिक शोधपत्र प्रकाशित व उपयोगी शोध कार्य करने वाले उच्च वैज्ञानिक में से एक है। ए.डी. साइंटिफिक इंडेक्स (वैज्ञानिकों के व्यक्तिगत प्रदर्शन व उत्पादकता के के आधार रैंकिंग और विश्लेषण करने वाली विश्व प्रतिष्ठित संस्था) के अनुसार डॉ विंष्णु राजपूत ने बायोलॉजिकल साइंस में साउथर्न फ़ेडरल यूनिवर्सिटी में कार्य करने वाले वैज्ञानिको में से प्रथम स्थान प्राप्त किया। वही वो रूस में 35 वे स्थान पर रहे। यह विश्लेषण पिछले पांच वर्षो के व्यक्तिगत प्रदर्शन पर आधारित है।

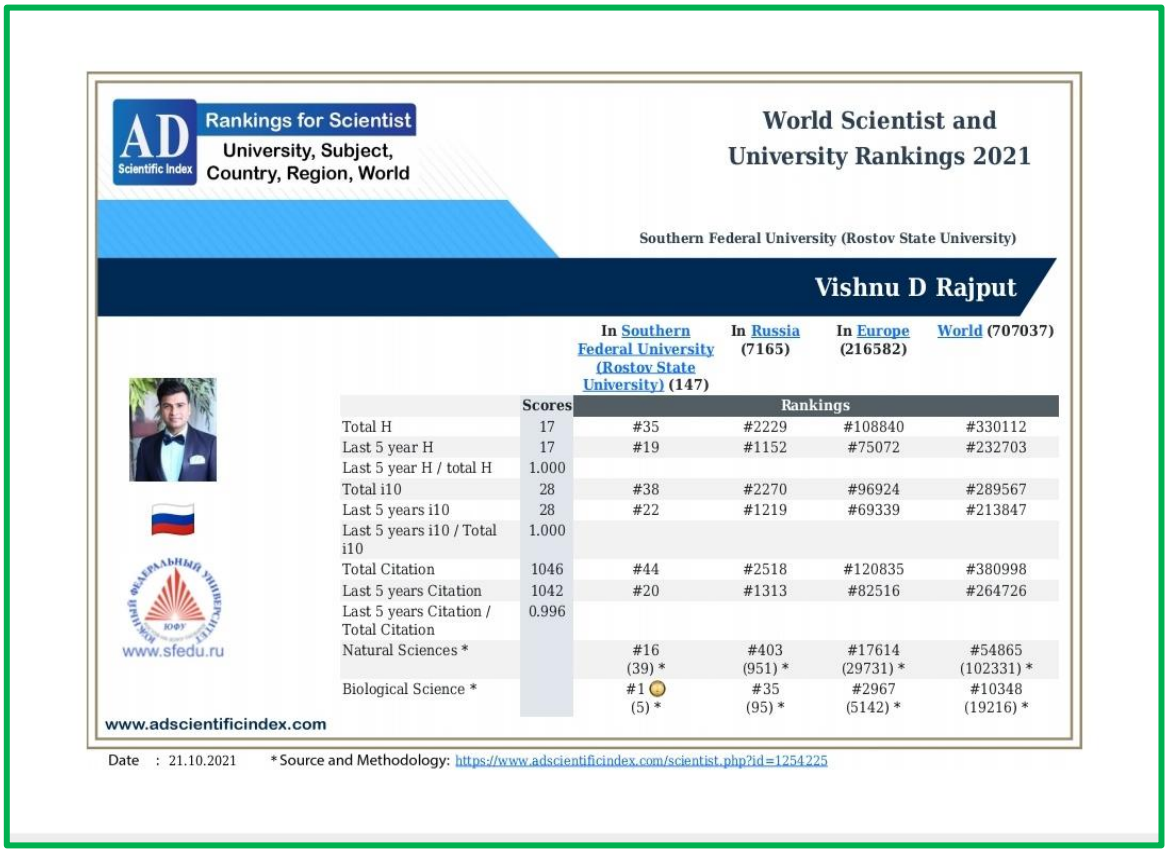

AD Scientific Index — Rankings for Scientist: University, Subject, Country, Region, World

World Scientist and University Rankings 2021

Southern Federal University (Rostov State University)

Vishnu D Rajput

	Scores	In Southern Federal University (Rostov State University) (147)	In Russia (7165)	In Europe (216582)	World (707037)
		Rankings			
Total H	17	#35	#2229	#108840	#330112
Last 5 year H	17	#19	#1152	#75072	#232703
Last 5 year H / total H	1.000				
Total i10	28	#38	#2270	#96924	#289567
Last 5 years i10	28	#22	#1219	#69339	#213847
Last 5 years i10 / Total i10	1.000				
Total Citation	1046	#44	#2518	#120835	#380998
Last 5 years Citation	1042	#20	#1313	#82516	#264726
Last 5 years Citation / Total Citation	0.996				
Natural Sciences *		#16 (39) *	#403 (951) *	#17614 (29731) *	#54865 (102331) *
Biological Science *		#1 (5) *	#35 (95) *	#2967 (5142) *	#10348 (19216) *

www.sfedu.ru

www.adscientificindex.com

Date : 21.10.2021 *Source and Methodology: https://www.adscientificindex.com/scientist.php?id=1254225

फोटो: ए.डी. साइंटिफिक इंडेक्स के अनुसार बायोलॉजिकल साइंस में प्रथम रैंक प्राप्त की

वर्ष 2021 के अंत में विश्वविद्यालय के "रेक्टर" (विश्वविद्यालय का सर्वोच्च पदाधिकारी) प्रो० डॉ० इना शेवचेन्को, ने डॉ० राजपूत को "विज्ञान व प्रौद्योगिकी" को विश्व के वैज्ञानिको, रिसर्चर्स, मीडियाकर्मी व छात्रों में विश्वविद्यालय को लोकप्रिय बनाने के लिए "प्रशंसा प्रमाण पत्र" से सम्मानित किया। वही प्रो० डॉ० ए० बी० मेटेलीशा, "वाईस रेक्टर् रिसर्च " ने वर्ष 2021 मे "डिप्लोमा अवार्ड" व 2020 में "सर्टिफिकेट ऑफ़ हॉनर" से डॉ० राजपूत के द्वारा उत्कृष्ट अनुसंधान व उच्चकोटि के सर्वाधिक शोधपत्र प्रकाशित करने के लिए से सम्मानित किया।

अंतर्राष्ट्रीय डेटा बेस स्कोपस के अनुसार डॉ० राजपूत ने 121 (कुल 242) उच्च गुणवत्ता के शोधपत्र प्रकाशित किये। विश्वविद्यालय में लगभग पांच हज़ार से भी ज्यादा शोधकर्ता है। यह सम्मान व अवार्ड पाने वाले वह इकलौते शोधकर्ता है। डॉ० राजपूत ने अभी तक 11 किताबे, स्प्रिंगर (Springer), एल्सेवियर (Elsevier) के साथ प्रकाशित की है और उनकी कृषि प्रतियोगिता परीक्षाओ के लिए लिखी एक किताब भारतीय छात्रों के बीच अत्यधिक पॉपुलर है।

फोटो : प्रशंसा प्रमाण पत्र

मूलतः हरदोई (उत्तर प्रदेश) के तेरवाकुल्ली के गुलाब पुरवा में जन्मे डॉ. विष्णु राजपूत ने प्राइमरी की शिक्षा गांव में प्राप्त की। इसके बाद कन्नौज में इंटर तक पढ़े और फिर कानपुर चले गए। उनका सपना था कि कृषि के क्षेत्र में कार्य करें, इसलिए उन्होंने कृषि की पढ़ाई कानपूर स्थित चंद्रशेखर आजाद कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पूरी की। परास्नातक के दौरान ही डॉ. राजपूत ने प्रो० डॉ० एन०पी० सिंह , डायरेक्टर, दलहन अनुसन्धान , कानपूर के साथ शोध कार्य किये। वंहा से वह सेंटर फॉर प्लांट बायोटेक्नोलॉजी, हिसार, हरियाणा चले गए। हरियाणा के करनाल के केंद्रीय लवणता अनुसंधान संस्थान मे 2011 तक रिसर्च कार्य किया। इसके बाद चीन के चाइनीज अकादमी ऑफ़ साइंस पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने कई शोध प्रकाशित किए। वर्ष 2015 में रूस के दक्षिणी संघीय विश्वविद्यालय में शोध कार्य शुरू किया और मृदा सुधार के क्षेत्र में अतुलनीय परिणाम दिए। वर्तमान में वह अग्रणीय शोधकर्ता के पद पर कार्यरत हैं।

फोटो : डिप्लोमा अवार्ड-2021 लेते हुए

डॉ. विष्णु राजपूत के शोध की मुख्य दिशा पर्यावरण प्रदूषण (नैनोकण) के खिलाफ लड़ाई में प्रभावी तरीकों और दृष्टिकोणों के साथ-साथ मिट्टी के प्रदूषण (मृदा प्रदूषण) की खोज है। जिसका सीधा संबंध खाद्य व कृषि उत्पादों की सुरक्षा से है। जो वर्तमान अनुसंधान और विकास गति-विधियां खाद्य और अनाज फसलों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। जैसा कि विदित है मिट्टी की गुणवत्ता पर ही फसल उत्पादन निर्भर है जो सीधे तौर पर लोगों के जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा है। आजकल इन भारी धातुओं के नैनो कण जो भी अत्यधिक प्रयोग हो रहे हैं, बड़ी समस्या बनते चले जा रहे है। हालांकि इन कणों के उपयोग से मानव जीवन बहुत आसान भी हुआ है। इसलिए वह इनके सुरक्षित उपयोग की विधि पर कार्य कर रहे हैं। डॉ० राजपूत नैनो तकनीक का कृषि में सुरक्षित उपयोग पर काम कर रहे है। उन्होंने अपने शोधो द्वारा ये साबित किया कि बिना गहन अध्यनन के नैनोकणो का कृषि में उपयोग फसलों के साथ साथ मानव स्वास्थ्य के लिए घातक हो सकता है। इसी कड़ी में उन्होंने नैनोकणो का उपयोग कई तरह की फसलों पर उपयोगी और पाया अगर थोड़ा सा भी ज्यादा नैनोकणो का उपयोग खतरनाक हो सकता। अतः उन्होंने पौधो की संरचना के अनुसार नैनोकणो का सुरक्षित उपयोग खोजा। वह नैनो कणों का उपयोग प्रदूषित मृदा सुधार तकनीक पर भी कर रहे है।

डॉ0 राजपूत के अनुसार छात्रों अथवा शोधकर्ताओं को अपने कम्फर्ट जोन से बाहर आकर, अपने सामाजिक वातावरण से थोड़ा बाहर निकल कर अलग, नये परिवेश में तकनीकी ज्ञान अर्जित करना चाहिए जो नई सोच विकसित करने के लिए बहुत ज़रूरी है। शोध कार्य सिर्फ शैक्षणिक डिग्री अथवा नौकरी के लिए नहीं बल्कि सामाजिक समस्याओ के समाधान के लिए व जीवन उपयोगी होना चाहिए। शोध नौकरी नहीं बल्कि जुनून होना चाहिए तभी आप सफल वैज्ञानिक बन सकते है अथवा समाजहित में कुछ कर पाएंगे। वैज्ञानिक जन्म से नहीं बल्कि आपने अनुसंधानों से बनते है।

उनके छोटे से गांव से रूस के टॉप विश्वविद्यालय में सम्मान प्राप्त करना सिर्फ कठिन परिश्रम और विभिन्न साइंटिफिक ग्रूप के साथ कार्य करने की शैली ही है। इससे ये सावित होता है कि अगर कठोर परिश्रम किया जाये तो कुछ भी नामुनकिन नहीं है। सीमित संसाधनों में ही समाज व देशहित में उल्लेखनीय कार्य किया जा सकता है। युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेनी चाहिए।

छात्र वर्ग निम्न लिंक्स पर क्लिक करके डॉ. विष्णु के सोशल मीडिया अथवा रिसर्च डेटाबेस साइट्स पर विजिट कर सकते है-

ORCID	PUBLONS	RESEARCH GATE	GOOGLE SCHOLAR	SCOPUS	FACEBOOK